

Ind. St. 2, 313, 9.

— उद् caus. उद्घाययते in der Verbindung बालम् = वक्षयति (बाल-मुद्घाययति in anderer Bed.), in der Verb. श्येनो वार्तिकामुद्घा = न्य-भावयति P. 1, 3, 70, Sch. 6, 1, 48, VArtt., Sch. Vop. 23, 53. Warum nicht zu लप्.

— उप sich anschmiegen an (acc.): यथा सर्वाणि भूतानि मृत्योर्भितानि मारिय । धर्ममेवोपलीयते कर्मवत्ति हि यानि च ॥ तथा कर्णो महेष्वासं पुत्रास्तव नराधिप । उपालीयत संत्रासात्पाण्डवस्य महात्मनः ॥ MBh. 8, 4171. fg. 4170.

— नि 1) ankleben, sich anheften: निलीना मत्तिका मूर्ध्नि VARĀH. BRH. S. 93, 58. 43, 63. मरेडिश्च निलीनभृङ्गैः BHATT. 2, 5. पूर्वमेव हि जन्तूनां यो ऽधिवासो निलीयते RĀGA-TAR. 3, 426. मधु भवननिलीनम् VARĀH. BRH. S. 93, 58. ब्रह्मज्ञाने निलीनाः so v. a. ganz vertieft in Spr. 1313, v. I. für विलीनाः. — 2) sich niedersetzen (von Vögeln): धनेषु च निलीयते वा-यसाः MBh. 4, 1462. नीचैर्गृध्रा निलीयते (so die ed. Bomb.) भारतानां चर्म प्रति 6, 5203. निलिल्ये मूर्ध्नि गृध्रा ऽस्य BHATT. 14, 76. HARIV. 5828. श्ये-नादयो यस्य निलीययुः शिरस्यथ MĀRK. P. 51, 69. काकः कपोतो गृध्रो वा निलीयिष्यस्य मूर्ध्नि Verz. d. Oxf. H. 31, a, 33. — 3) sich verstecken, sich verschlüpfen, verschwinden, unsichtbar werden; in der älteren Sprache folgende Formen: निलीयमान, निर्लीयते (= निर्यते von अय् SIDDH. K. zu P. 8, 2, 19), न्यलयत und नीलायत (im Padap. ohne Avagraha), निलिल्ये, निलीयो चक्रे, न्यलेष्ट, निलायम्, निलीन. योऽ ऽभिप्यते निलयते AV. 11, 2, 13. उतास्मिन्नल्प उद्के निलीनः 4, 16, 3. ह्युषा ऋषुराह्लासमाना निलीयमानेति AIT. Br. 3, 22. स निलायत् सो ऽपः प्राविशत् TS. 2, 6, 6, 1. देवेभ्यो नि० vor den Göttern 5, 1, 4, 4. 2, 2. देवेभ्यो अनिलायत 4, 3. देवेभ्यो निलायत 4, 3, 6. 6, 2, 4, 2. TBu. 1, 1, 3, 3. 2, 4, 5. 4, 3, 3. सा भीषा निलिल्ये ÇAT. Br. 1, 2, 3, 1. 6, 4, 1. 4, 1, 3, 1. 13, 1, 4, 3. KĀTH. 23, 1, 7. निलीयते MBh. 1, 4980. Spr. 2710. मातुः vor der Mutter P. 1, 4, 28, Sch. निलीयमाना वृक्षेषु BĀG. P. 8, 12, 26. निलिल्ये MBh. 3, 10560. 12, 10685. HARIV. 8715. 8718. निलि-ल्येरे MBh. 3, 10975. BĀG. P. 3, 17, 22. निलिल्युः MBh. 3, 11109. 12091. R. 2, 97, 4 (106, 2 GORR.). BĀG. P. 3, 13, 33. 4, 14, 3. तदा निलिल्युर्दि-शि दिशि 16, 23. गुहास्वन्ये न्यलेषत BHATT. 15, 32. निलीय HARIV. 8730. R. 6, 9, 6. GĪT. 2, 11. PRAB. 100, 17. निलीन MBh. 1, 7157. 7, 5767. R. 1, 33, 15. PRAB. 88, 14. BĀG. P. 8, 13, 33. निलीन mit pass. Bed.: अरण्या-नि — यथानिलयमायाद्भिर्निलीनानि मृगद्विजैः Wälder, in denen sich Thiere und Vogel verkrochen hatten, R. 2, 46, 3. — Vgl. निलय fg. und निलायन in den Nachträgen.

— अपनि sich verstecken, verschwinden: शत्रवः पराजितासो अप् नि लयन्ताम् RV. 10, 84, 7. देवा अपन्यलयन्त ÇAT. Br. 4, 1, 3, 1.

— अभिनि स० लीयमानक.

— संनि 1) sich niedersetzen (von Vögeln): उपरिष्ठाच्च वृत्तस्य बलाका संन्यलीयत MBh. 3, 13654. — 2) sich verstecken, verschwinden: यो यो दिशमवैतत । तस्यां तस्यां भयत्रस्ता रातसाः संनिलिल्येरे R. 6, 72, 25.

— प्र, लीय und लाय Vop. 12, 1, 26, 212. sich verstecken: प्रलायम् mit इ und चर् sich versteckt halten ÇAT. Br. 7, 2, 1, 9. TBu. 2, 2, 3, 5. KĀTH. 29, 8. sich auflösen; aufgehen in (auch vom Sterben), verschwinden: प्रेव वै रेतो लीयते प्रेव वपा लीयते AIT. Br. 2, 14. ÇAT. Br. 14, 2, 2, 54. अय्यक्ताद्य-

क्तयः सर्वाः प्रभवत्यहरामे । रात्र्यागमे प्रलीयते तत्रैवाव्यक्तसंज्ञके ॥ BĀG. 8, 18. M. 1, 54. तास्वेव भूतमात्रासु प्रलीयते 12, 17. KŪLIKOP. in Ind. St. 9, 20. सक्त मेधेन तडित्प्रलीयते Spr. 2970. एकः प्रजायते जसुरेक एव प्रलीयते 3822 (vgl. BĀG. P. 10, 49, 21). तस्मान्निवर्तता तेजस्वव्येव प्र-लीयताम् MBh. 7, 2059. प्रलीयते चोद्भवति 12, 7084. 13, 3232. 14, 614. 692. 705. HARIV. 518. 10330. SUÇR. 1, 377, 10. KUMĀRAS. 2, 10. TATTVAS. 27. BĀG. P. 10, 14, 25. PAÑKĀR. 2, 1, 31. KULL. zu M. 1, 52. प्रलीन ver- schwunden, dahin gegangen (auch von Gestorbenen), aufgegangen in BĀG. 14, 15. MBh. 14, 690. 695. 698. 702. 704. उद्यानानि प्रलीनविकृ- गानि R. 2, 59, 12. SUÇR. 1, 347, 19. Spr. 3839. ÇĀNTIC. in ÇATĀKĀV. 40. KĀTHĀS. 94, 66. ०मुक्त RĀGA-TAR. 1, 1. PAÑKĀR. 2, 1, 21. 30. SARVADARÇ- NAS. 179, 21. प्रलीनाडुपे निशि BĀG. P. 9, 2, 6. ०शाखा verloren gegangen MÜLLER, SL. 104. प्रलीना (= स्वस्वव्यापाररहिताः ŚĀJ.) न्योकस इव शेरे aufgelöst, hingegossen AIT. Br. 5, 28. — Vgl. प्रलय, प्रलयन, प्रलीनता unter प्रलीन.

— विप्र, partic. लीन ausetnandergeflogen (von einem geschlagenen Heere) MBh. 7, 746.

— संप्र verschwinden, aufgehen —, untergehen in: अय्यक्तं पुरुषे ब्र-ह्मनिष्क्रिये संप्रलीयते MBh. 12, 12895. BĀG. P. 11, 24, 25. कार्याब्धौ Spr. 1478. लीन verschwunden, aufgegangen in: ०महेरग (गिरि) R. 5, 4, 12. एवं धर्मात्राजधर्मेषु सर्वान्सर्वावस्थं संप्रलीनान्निबोध aufgegangen in so v. a. enthalten in MBh. 12, 2380.

— प्रति 1) sich klammern an: प्रतिलीन घ्रासीत so v. a. unverrückt ÇĀNKU. GĀH. 3, 1. — 2) verschwinden: स्वप्रवत्प्रत्यलीयत BĀG. P. 9, 21, 17.

— वि, लीता und लाता, लीय und लाय P. 6, 1, 51, Sch. 1) sich schmiegen —, sich heften an: तत्र केचिन्नरा भीता व्यलीयत महीतले so v. a. duckten sich auf den Erdboden MBh. 10, 410. पतत्यतंगप्रतिम-स्तपोनिधिः पुरो ऽस्य यावन्न भुवि व्यलीयत ÇIC. 1, 12. तदङ्गे विलीनमि-तलोचनाः geheftet auf PAÑKĀR. 3, 7, 33. तमोभिष्कृपाविलीनैः geheftet an RAÇH. 13, 56. ब्रह्मज्ञाने विलीनाः vertieft in Spr. 1313. — 2) sich setzen (von Vögeln): शाखानिलायानां पक्षिणाम् sitzend auf KĀTHĀS. 26, 28. — 3) stocken: विलीनात्तरम् Spr. 1163. — 4) sich verstecken, sich verschlüpfen: विलीयमानैर्विक्रमैः Spr. 2839. KĀTHĀS. 26, 34. विलीन versteckt BĀG. P. 7, 2, 56. विलीयते यं दृष्ट्वा शत्रवः HALĀJ. 188 bei WEST. विलिल्युः ARĀ. 6, 13 (निलिल्युः MBh. 3, 12091). verschwin- den, zu Nichte werden: यस्मिन्धर्मो विराजित तं राजानं प्रचक्षते । यस्मि-न्विलीयते धर्मस्तं देवा वषलं विदुः MBh. 12, 3376. BĀG. P. 1, 18, 45. Spr. 430, v. I. न कथंचिद्विलीयते विद्वद्विश्रितता नयाः 1953. विलीयेन्दुः 2840. विलीयते तदा क्लेशाः BĀG. P. 3, 7, 13. WEBER, RĀMAT. Up. 333. fg. Gegens. ज्ञायते BĀG. P. 10, 24, 13. 6, 1, 55. PAÑKĀR. 4, 3, 208. विलीन verschwunden, zu Nichte geworden, hingegangen MAITRĪJUP. 6, 24. RĪ. 4, 1. VARĀH. BRH. S. 4, 17. PRAB. 98, 13. PAÑKĀR. 1, 14, 22. 3, 1, 20. ०पल्लव KĀTHĀS. 22, 5. अ विलीना वत्सरसकृन्नाणि भूयाः so v. a. lebe UTTARĀ. 124, 12 (168, 7). — 3) zergehen, sich auflösen, schmelzen: क्लिमम् HARIV. 6245. तुहिनैः विलीयता MĀRK. P. 61, 19. स्थालीपाका वि लीयते AV. 20, 134, 3. 4. आयम् KAUC. 2. SUÇR. 1, 99, 6. विलीयमानेवानन्दात् DAÇAR. 2, 17. विलीन zergangen, aufgelöst, geschmolzen AK. 3, 2, 49. TRIK. 3, 3, 160. H. 1487. an. 3, 415. HALĀJ. 2, 121. KHĀND. Up. 6, 13, 1. SUÇR. 2, 348, 4. Spr. 830.